दैनिक सचएक्सप्रेस
सत्यम् सदैव सुन्दरम्...

कितनी खूबसूरत यह तस्वीर है, यह बेनजीर - बेमिसाल है, यह भोपाल का ताल है

भदभदा से छोड़ा गया अतिरिक्त पानी किनारों पर बिखरा मनमोहक दृश्य

सच प्रतिनिधि || भोपाल

लगातार हुई बारिश के बाद राजधानी भोपाल की लाइफलाइन कहे जाने वाला बड़ा तालाब (भोजताल) लबालब भर गया है। 4 सितंबर को तालाब का जलस्तर अपने फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए भदभदा बांध का गेट खोला गया। तालाब में भरपूर पानी आने के बाद इसकी खूबसूरती भी देखते ही बन रही है। तेज हवा के साथ उठती लहरें तालाब के साहिल से टकरा रही हैं और पानी की लहरों का यह नजारा शहरवासियों और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। मानसून के बाद भरे हुए बड़े तालाब का विस्तृत जलक्षेत्र भोपाल की प्राकृतिक खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। लगातार बारिश से तालाब में पानी की आवक बढ़ती रही। जलस्तर फुल टैंक लेवल पर पहुंचने के बाद भदभदा बांध से अतिरिक्त पानी की निकासी शुरू की गई।

बारिश ने लौटाई तालाब की रौनक

बड़ा तालाब भरने से जहां भोपाल की पेयजल व्यवस्था को राहत मिली है, वहीं शहर का प्राकृतिक सौंदर्य भी निखर उठा है। तालाब के किनारों पर उठती लहरें और भदभदा की ओर बहती जलधारा बारिश के मौसम में भोपाल की खास तस्वीर पेश कर रही हैं।

45 रुपए वापस नहीं किए तो खोपड़ी पर मारी छुरी, 22 टांके आए

तलैया इलाके में हुई वारदात

सच प्रतिनिधि || भोपाल

मात्र 45 रुपए के लिए सब्जी का ठेला लगाने वाले युवक ने ऑटो चालक पर छुरी से जानलेवा हमला कर दिया। घातक वार के कारण आटोचालक के सिर में 22 टांके आए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जानलेवा हमला करने का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। तलैया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय हारुण खान इस्लामपुरा में रहता है तथा आटो चलाता है। इसी इलाके में रिजवान कुरैशी नाम का युवक रहता है जो कि इतवारा इलाके में सब्जी का ठेला लगाता है। एक ही इलाके में रहने के कारण दोनों एक-दूसरे को जानते-पहचानते हैं। पिछले दिनों रिजवान को एक ग्राहक से 45 रुपए लेना था। ग्राहक के पास नकद नहीं थे तो उसने ऑनलाइन पेमेंट को कहा। रिजवान का युपीआई नहीं चल रहा था तो उसने हारुण के बैंक खाते में पैसे ऑनलाइन भिजवा दिए। उसने कहा कि तुम मुझे बाद में दे देना। बाद में हारुण पैसे देना भूल गया। रिजवान ने एक दो बार पैसों की याद दिलाई तो उस समय भी वह भूल गया। बीती रात इसी बात को इतवारा इलाके में दोनों के बीच विवाद हो गया। मात्र 45 रुपए के विवाद में रिजवान ने हारुण के साथ मारपीट करना शुरू कर दी। उसने जब विरोध किया तो रिजवान ने उस पर छुरी से हमला कर दिया। छुरी का वार लगने के कारण हारुण के सिर में 22 टांके आए हैं। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद रिजवान कुरैशी के खिलाफ जानलेवा हमला करने का प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में पुलिस की टीम बीती रात उसके घर पर पहुंची लेकिन वह वहां पर नहीं मिला। इधर कोतवाली थानाक्षेत्र में बीती एक हम्माल पर अज्ञात तीन लड़कों ने हमला कर दिया। हमले के दौरान एक युवक ने छुरी से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय वसीम मूलत: सीहोर जिले का रहने वाला है। वह यहां पर इतवारा इलाके में हम्माली करता है तथा रात हो जाने पर इसी इलाके में फुटपाथ पर सो जाता है। बीती रात करीब 11 बजे वह सड़क किनारे बैठा था। इसी दौरान तीन युवक वहां पर आए तथा उन्होंने वसीम पर पैसों की अड़ी डाल दी। वे शराब पीने के लिए पैसा मांग रहे थे। वसीम ने पैसे देने से मना किया तो तीनों युवक उस पर झूम पड़े तथा मारपीट शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर एक तीन में से एक युवक ने वसीम पर छुरी से हमला कर दिया।

इंटर्न डॉक्टरों का हल्लाबोल, हमीदिया से सीएम निवास तक पैदल मार्च

बोले- 14,337 नहीं, 30 हजार रुपए चाहिए स्टाइपेंड, अब आश्वासन नहीं, लिखित आदेश की मांग

सच प्रतिनिधि || भोपाल

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों का सब्र आज जवाब दे गया। सरकार की ओर से अब तक मिले मौखिक आश्वासनों के बावजूद कोई लिखित आदेश जारी नहीं होने से नाराज इंटर्न डॉक्टरों ने आज राजधानी भोपाल में हल्लाबोल करते हुए हमीदिया अस्पताल से मुख्यमंत्री निवास तक पैदल मार्च निकाला। आंदोलनकारी डॉक्टरों का कहना है कि शासन की ओर से करीब डेढ़ महीने पहले स्टाइपेंड बढ़ाने के मुद्दे पर जल्द निर्णय लेने का भरोसा दिया गया था। डॉक्टरों ने सरकार के आश्वासन पर भरोसा करते हुए इतने समय तक इंतजार किया, लेकिन अब तक स्टाइपेंड वृद्धि को लेकर कोई आधिकारिक अधिसूचना या लिखित आदेश जारी नहीं किया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराने का फैसला किया। इंटर्न डॉक्टरों के मुताबिक वर्तमान में उन्हें 14,337 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जा रहा है। डॉक्टरों की मांग है कि इसे बढ़ाकर कम से कम 30 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाए। उनका कहना है कि इंटर्नशिप के दौरान अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और चिकित्सा सेवाओं में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उन्हें मिलने वाला स्टाइपेंड बेहद कम है। डॉक्टरों ने कहा कि उनकी मांग केवल स्टाइपेंड बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार से अब स्पष्ट निर्णय और उसका लिखित आदेश चाहते हैं।

हमीदिया के गेट नंबर-1 से सीएम हाउस तक मार्च

इंटर्न डॉक्टरों ने हमीदिया अस्पताल के गेट नंबर-1 से मुख्यमंत्री निवास की ओर पैदल मार्च शुरू किया। प्रदर्शन के दौरान डॉक्टरों ने हाथों में मांगों से जुड़े पोस्टर और बैनर लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए है। डॉक्टरों ने 14,337 नहीं, 30,000 चाहिए और अब आश्वासन नहीं, लिखित आदेश चाहिए जैसे नारों के जरिए अपनी मांग सरकार के सामने रखी। आंदोलनकारी डॉक्टरों का कहना है कि वे सरकार के समक्ष अपनी मांग मजबूती से रखेंगे और स्टाइपेंड वृद्धि का लिखित आदेश मिलने तक आंदोलन की आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। डॉक्टरों ने उम्मीद जताई कि सरकार उनकी मांग पर जल्द निर्णय लेते हुए लिखित आदेश जारी करेगी।

असदुद्दीन ओवैसी 15 को आएंगे सेंट्रल लाइब्रेरी में होगी आमसभा

भोपाल। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद सैयद असदुद्दीन ओवैसी 15 सितंबर को एक दिवसीय दौरे पर भोपाल आएंगे। वह शाम 7.30 बजे पुराने भोपाल की सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड में आम सभा को संबोधित करेंगे।

लगभग 20 साल बाद ओवैसी भोपाल में किसी आम सभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले वे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के एक अधिवेशन में भोपाल की ताजुल मस्जिद आए थे और आधी रात को ऐसा समां बांधा था कि लोग सुबह तक उनसे मिलने के लिए ताजुल मस्जिद में बेकरार रहे थे। उस समय उनकी पार्टी राष्ट्रीय स्तर की नहीं थी, मगर अल्पसंख्यक, दलित और पिछड़ों के कल्याण और इंसाफ के लिए उनकी आवाज हमेशा राष्ट्रीय स्तर पर गूंजती रही है। वतनपरस्ती के कारण उन्हें लोकसभा में श्रेष्ठ सांसद (संसद रत्न) का अवार्ड भी मिला है और आतंकवाद के खिलाफ विश्व स्तर पर पाकिस्तान को बेनकाब करने में उनकी भूमिका को सराहा गया है।

ई-अटेंडेंस पर 3.75 लाख शिक्षकों का विरोध, डेटा सुरक्षा से लेकर थर्ड पार्टी सर्वर तक उठे सवाल

सच प्रतिनिधि || भोपाल

मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग की प्रस्तावित ई-अटेंडेंस 3.0 व्यवस्था को लेकर प्रदेश के करीब 3.75 लाख शिक्षक विरोध में सामने आए हैं। शिक्षकों की सबसे बड़ी आपत्ति हाजिरी के लिए भरवाए जा रहे ऑनलाइन सहमति पत्र और उसमें निजी डेटा की सुरक्षा से जुड़ी शर्तों को लेकर है। शिक्षक संगठनों ने सवाल उठाया है कि जब विभाग स्वयं डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023 का हवाला दे रहा है, तो यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि शिक्षकों का डेटा किसके पास रहेगा और इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी होगी।

शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने ई-अटेंडेंस व्यवस्था की तकनीकी और डेटा सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि ई-अटेंडेंस 3.0 का पोर्टल द्द्श1.द्वठ्ठ अथवा ठ्ठद्ब.द्वठ्ठ जैसे सरकारी डोमेन पर संचालित हो रहा है या इसमें किसी थर्ड पार्टी की तकनीकी भूमिका है। शिक्षक संगठनों की मांग है कि यदि किसी निजी कंपनी या गैर-सरकारी सर्वर का इस्तेमाल किया जा रहा है तो उसकी अनुमति किस सक्षम अधिकारी ने दी, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जाए। साथ ही यह भी बताया जाए कि शिक्षकों का निजी डेटा किस सर्वर पर स्टोर किया जा रहा है और उस तक किस-किस की पहुंच है।

शिक्षकों का कहना है कि मामला केवल रोजाना ऑनलाइन हाजिरी लगाने तक सीमित नहीं है। ई-अटेंडेंस व्यवस्था में मोबाइल नंबर, लाइव लोकेशन और सेवा संबंधी रिकॉर्ड जैसी जानकारियां भी जुड़ रही हैं। ऐसे में डेटा के गलत इस्तेमाल या लीक होने की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। संगठन ने भारत सरकार की वेबसाइट गाइडलाइंस और संबंधित साइबर सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि सहमति पत्र भरवाने से पहले विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस डेटा का वास्तविक डेटा फिड्यूशियरी यानी संरक्षक कौन है, डेटा कहां स्टोर होगा और उसकी सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था की गई है।

बताया गया है कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था के दायरे में प्रदेश के करीब 3.75 लाख शिक्षक आ रहे हैं। इनमें लगभग 2.32 लाख नियमित शिक्षक, 72 हजार अतिथि शिक्षक और करीब 70 हजार जनजातीय कार्य विभाग के शिक्षक शामिल हैं। इनसे ऑनलाइन सहमति पत्र लिए जाने की प्रक्रिया ने शिक्षक संगठनों की नाराजगी को और बढ़ा दिया है। शिक्षकों का यह भी आरोप है कि विभाग ई-अटेंडेंस लागू करने में तेजी दिखा रहा है, लेकिन शिक्षकों की सेवा संबंधी लंबित शिकायतों के निराकरण की गति बेहद धीमी है। संगठन के मुताबिक परिवेदना पोर्टल पर 17,817 मामले अभी भी लंबित हैं। आंकड़ों के अनुसार पोर्टल पर कुल 36,827 शिकायतें दर्ज हुई थीं, जिनमें से करीब 19 हजार मामलों का निराकरण किया जा चुका है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

सच प्रतिनिधि || भोपाल

बैरसिया इलाके में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। इधर निशापुरा इलाके में सड़क हादसे में अधेड़ की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय सलमान खान ग्राम ललरिया में रहता था और परिवार वालों के साथ खेती किसानी करता था। गत दिवस परिजनों की नींद खुली तो घर के बाहर आंगन में बने टीनशेड में सलमान का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि युवक अक्सर बीमार रहता था। अनुमान है कि इसी कारण उसने फांसी लगाई होगी। इधर निशातपुरा में हादसे में अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कुलदीप सक्सेना (50) निशातपुरा में रहते थे। वह अपनी स्कूटर से ड्यूटी के लिए रायसेन जा रहे थे।

हनुमान मंदिर में हुई चोरी का आठ दिन बाद सुराग नहीं

भोपाल।राजधानी के ईटखेड़ी थाना अंतर्गत ग्राम परेवा खेड़ा के हनुमान मंदिर में दिन धाड़े अज्ञात चोर ने हनुमान जी के मंदिर का ताला तोड़कर कीमती चांदी के आभूषण चुरा लिए। घटना 30 अगस्त की है जब प्रतिदिन की तरह मंदिर के पुजारी पीयूष पारासर सुबह हनुमान भगवान की मूर्ति को चांदी का मुकुट और छत्र पहनाकर पूजन की और मंदिर का ताला लगाकर चले गए थे,इसके बाद अज्ञात चोर ने मौका देखकर मंदिर का ताला तोड़ कर अंदर घुस कर मूर्ति से मुकुट और छत्र चुरा लिया गया।

'सागर गोल्ड' और बंबईया व्हिस्की पर बदले आबकारी आदेश पर उठाए सवाल; मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग

जहरीली शराब कांड पर उमंग सिंघार का सरकार पर हमला बोले- अवैध शराब नेटवर्क की जड़ तक पहुंचे जांच

सच प्रतिनिधि || भोपाल

सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों और प्रदेश में कथित अवैध शराब नेटवर्क को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मोहन सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहरीली शराब की बिक्री और सप्लाई के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क की जांच करने के बजाय कार्रवाई को सीमित किया जा रहा है। सिंघार ने सरकार से पूछा कि सागर में हुई मौतों की जिम्मेदारी आखिर किसकी है और जहरीली शराब में इस्तेमाल हुआ मेथेनॉल कहां से आया। सिंघार के अनुसार सागर में जहरीली और अवैध शराब से 15 लोगों की मौत हुई है, जबकि 110 से अधिक लोग अस्पताल में उपचाररत हैं। उन्होंने 6 सितंबर को प्रभावित गांवों का दौरा कर मृतकों के परिजनों से मुलाकात करने का दावा किया। नेता प्रतिपक्ष के मुताबिक कई परिवारों ने अपने युवा बेटे, पिता या परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य को खो दिया है। उन्होंने कहा कि घटना को केवल शराब बेचने वाले लोगों तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। जांच में यह पता लगाया जाना चाहिए कि जहरीला पदार्थ किसने मिलाया, शराब कहां तैयार हुई और इसकी सप्लाई किस नेटवर्क के माध्यम से हुई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मेथेनॉल मानव सेवन के लिए नहीं है और यह औद्योगिक उपयोग वाला जहरीला रसायन है। उनका सवाल है कि जहरीली शराब में इसका इस्तेमाल कैसे हुआ और यह किस स्रोत से उपलब्ध कराया गया। सिंघार ने मांग की कि जांच का दायरा शराब के निर्माण से लेकर बॉटलिंग, लेबलिंग, परिवहन और वितरण तक रखा जाए, ताकि पूरे नेटवर्क की जिम्मेदारी तय हो सके।

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि यदि शराब उत्तर प्रदेश से मध्यप्रदेश पहुंची तो सीमा पर पुलिस और आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था क्या कर रही थी। उन्होंने दोनों राज्यों में एक ही राजनीतिक

दल की सरकार होने का हवाला देते हुए कथित नेटवर्क और उसके संरक्षण की भी जांच की मांग की। सिंघार ने कॉरपोरेट रिकॉर्ड का हवाला देते हुए गजेंद्र सिंह राठौर का नाम सामने रखा और उन्हें पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता स्वर्गीय हरनाम सिंह राठौर का भाई बताया। उन्होंने कंपनी और संबंधित लोगों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय स्तर पर पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह से जुड़े लोगों पर अवैध शराब कारोबार में शामिल होने के लगाए जा रहे आरोपों की भी जांच कराने की मांग की। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में नकली शराब को ब्रांडेड बोतलों में भरकर बेचने का नेटवर्क सक्रिय है। उन्होंने कहा कि जहां सरकारी दुकान पर शराब की बोतल करीब 140 रुपए में मिलती है, वहीं कथित नकली शराब 40 से 50 रुपए में उपलब्ध होने के कारण अवैध कारोबार को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आबकारी ठेकेदारों की ओर से भी शराब माफिया के सक्रिय होने की शिकायतें पहले की गई थीं। ऐसे में जांच केवल एक ब्रांड तक सीमित न रखकर पूरे बॉटलिंग और सप्लाई नेटवर्क तक पहुंचाई जानी चाहिए।

सरकार द्वारा मृतकों के परिवारों के लिए 4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा किए जाने के बाद सिंघार ने इसे अपर्याप्त बताया। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिवार को कम से कम 25 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की। उनका कहना है कि मृतकों में बड़ी संख्या गरीब मजदूरों और परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्यों की बताई जा रही है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रभावित परिवारों के भविष्य की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करे। सिंघार ने 6 सितंबर को आबकारी विभाग की ओर से जारी कथित आदेश और उसके बाद किए गए संशोधन को लेकर भी सवाल खड़े किए। उनके अनुसार पहले 'स्डुद्दडुह त्नश्चद्यस्र' की बिक्री प्रतिबंधित करने, उपलब्ध स्टॉक को सील-जप्त करने और एफएसएल जांच कराने के निर्देश दिए गए थे। बाद में संशोधित आदेश में इसे नगण्य स्थिति में बताते हुए सामान्य जांच की बात कही गई। उन्होंने सवाल किया कि कुछ ही घंटों में ऐसा क्या बदल गया कि सील-जप्ती और एफएसएल जांच की जरूरत नहीं रही? उन्होंने सरकार से आदेश में बदलाव का कारण सार्वजनिक करने की मांग की।

प्रकाशक सिकंदर अहमद, प्लॉट नं. 192, एवीएन टॉवर, जोन-1, एम.पी. नगर भोपाल-462011 की ओर से सच मीडिया पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा संपादित, संपादक सिकंदर अहमद और श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित
सलाहकार सम्पादक : अशोक तरंगी। समाचार संपादक : चरण सिंह चौहान * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2012/42117, डाक पंजीयन म.प्र./भोपाल/4-460/2024-26, Mail-ID sachexpress013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4212853